Dr DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G.T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT (KHUTAUNA) MADHUBANI

L.N.M.U DARBHANGA

MOBILE NO:-6206696451

WHAT IS COGNITIVE LEARNING?

संज्ञानात्मक सीखना का तात्पर्य उस सीखना से है जो संज्ञान पर आधारित होता है। संज्ञान का अर्थ है विवेक, चिंतन, आदि। अतः विवेक, चिंतन, तर्क आदि से सम्बद्ध अधिगम प्रक्रिया को संज्ञानात्मक सीखना कहते हैं। रेबर तथा रेबर ने इसी अर्थ में 'संज्ञान' शब्द का उपयोग किया है। क्रूक्स के अनुसार-'संज्ञानात्मक अधिगम का तात्पर्य उस अधिगम से है जिसमें चिंतन, विवेक, स्मृति आदि जटिल प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं"।

संज्ञानात्मक सीखना एक जटिल संज्ञानात्मक प्रक्रिया है। रैथस के अनुसार संज्ञानात्मक अधिगम में सूझ सीखना, अव्यक्त सीखना, प्रेक्षण-सीखना, संप्रत्यय सीखना

तथा समस्या समाधान शामिल हैं। अधिगम के इन सभी प्रकारों का वर्णन निम्नलिखित है-

1. सूझ- सीखना:-

संज्ञानात्मक अधिगम का एक उदाहरण सूझ-अधिगम है। यह सीखना प्राणी की सूझ पर आधारित है। इस सीखना की कई विशेषताएँ हैं-

(क) यह सीखना एकाएक होता है, धीरे-धीरे नहीं।
(ख) इस सीखना में वातावरण की धटनाओं का प्रत्यक्षातमक संगठन पाया जाता है।
(ग) सूझ द्वारा सीखे गए नियम का उपयोग प्राणी दूसरी परिस्थिति में भी सहज रूप से करता है।
(घ) सूझ अधिगम में प्राणी को अहा ! अनुभव होता है।

2. अव्यक्त- सीखना:-

सीखनी कीं प्रक्रिया जब निष्पादन में व्यक्त हुए बिना ही जारी रहती है तो उसे अव्यक्त सीखना कहते है।

टौलमैन एवं होनजिक ने अपने अध्ययन में प्रयोगात्मक समूह के चूहों को दस दिनों तक बिना भोजन के ही भूलभुलैया में धुमने-फिरने दिया। नियंत्रित समूह ने लक्ष्य पहुंचने में अपेक्षाकृत कम समय लिया तथा कम भूल भूलें की। जब प्रयोगात्मक समूह को भोजन दिया गया तो इसके समय-अंक तथा भूल-अंक तुरंत नियंत्रित समूह के बराबर हो गए।

3 संप्रत्यय- सीखना:-

संप्रत्यय एक प्रतीक है, जिससे वस्तुओं की सामान्य विशेषताओं का बोध होता है। बालक जब अपने परिवार के लोग को एक पक्षी को “कौआ” कहते हुए बार-बार सुनता है तो वह उस पक्षी के समान विशेषता वाले पक्षी को भी कौआ कहने लगता है। इस तरह वह बालक कौआ के प्रत्यय को सीख जाता है।

संप्रत्यय वास्तव में एक चयनात्मक तंत्र है, जिसमें व्यक्ति उपस्थित उद्दीपन तथा पूर्व अनुभव के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है।

4 प्रेक्षणात्मक- सीखना:-

प्रेक्षणात्मक सीखना वास्तव में संज्ञानात्मक अधिगम का एक मुख्य प्रकार है। इस पद का उल्लेख सर्वप्रथम ए• बैण्दूरा ने किया। रेबर तथा रेबरके अनुसार प्रेक्षणात्मक अधिगम का तात्पर्य उस सीखना से है जिसमें व्यक्ति दूसरे व्यक्ति या व्यक्तियों के व्यवहार के निरीक्षण के आधार पर सीखता है। बैरोन ने इसे परिभाषित करते हुए कहा है-“ प्रेक्षणात्मक सीखना का तात्पर्य दूसरों की ओर अनावरण तथा उनके द्वारा अनुभव किये गए परिणामों के परिणामस्वरूप व्यवहार, सूचना या संप्रत्यय के नवीन रूपों के अधिग्रहण से है”।